स्नातकोत्तर सत्रार्द्धपरीक्षापाठ्यक्रम

POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्. ए. वैदिक अध्ययन

M.A.- Vaidic Studies

(Programme Code – MA-VST)

C.B.C.S.

2023-24

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्यसङ्काय

Faculty of VedVedang Evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवासमार्ग,उज्जयिनी (मध्यप्रदेश) भारतम्, पिन - 456010

अणुसङ्केतः - regpsvvmp@rediffmail.com,अन्तर्जालपुटम्- www.mpsvv.ac.in

वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तर सत्रार्द्धपरीक्षापाठ्यक्रम

एम्. ए. वैदिक अध्ययन

(Programme Code – MA-VST)

नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

एम.ए.(वैदिक अध्ययन) परीक्षा (नियमित) का द्विवार्षिक पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध छह प्रश्नपत्र होंगे। चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवाँ प्रश्नपत्र वैकल्पिक है। चार प्रश्नपत्र विकल्प में दिये गये हैं, जिनमें से च्वाइस के रूप में किसी एक विषय का चयन स्वेच्छया छात्र द्वारा किया जा सकेगा। छठे प्रश्नपत्र में सम्प्रेषण कौशल तथा समूह चर्चा रहेंगे। तृतीय सत्रार्द्ध में स्वशास्त्रीय विषय पर आधारित परियोजना कार्य वैकल्पिक रूप से उपलब्ध होगा। परियोजना कार्य के अन्तर्गत छात्र अनुवाद, पाण्डुलिपि सम्पादन, प्रशिक्षण दान, सर्वेक्षण, कार्यस्थल प्रशिक्षण, लघुशोधप्रबंध लेखन आदि कार्य कर सकते हैं। परियोजना प्रतिवेदन सुवाच्य अक्षरों में लिखित या टंकित स्वीकार किया जायेगा। चतुर्थ सत्रार्द्ध में लघुशोध प्रबन्ध वैकल्पिक रूप से उपलब्ध होगा। पाठ्यक्रम में प्रथम 5 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एम.ए.(वैदिक अध्ययन) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. एम.ए. (वैदिक अध्ययन) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

प्रतिप्रश्नपत्र निम्नानुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमाक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति एवं श्रेणीनिर्धारण-

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी। चारों सत्रार्द्धों में परिणाम के आधार पर श्रेणी निर्धारण

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

होगा।

CONVERSION OF MARKS IN TO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 - 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 - 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	**Criterion**
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50.
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA), and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/YGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

6. उपलब्ध स्थान -

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.प्रा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान 20 निर्धारित हैं। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा संचालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एम्.ए.-** वैदिक अध्ययन की उपाधि प्रदान की जाएगी।

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(एम.ए. वैदिक अध्ययन)

(Programme Code – MA-VST)

(सी.बी.सी.एस.)

परीक्षा-योजना

प्रथम सत्रार्द्ध

विषय कोड	पाठ्य-क्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टा	बाह्य परीक्षा	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल अंङ्क
VVVA 101	CC1	वैदिक साहित्य का इतिहास	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 102	CC2	ऋग्वेद	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 103	CC3	शुक्लयजुर्वेदसंहिता	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 104	CC4	वैदिक दर्शन	05	5Hrs	60	40	100
VVJY102	EC1 ज्योतिर्विज्ञान	फलित ज्योतिष	05	5Hrs	60	40	100
VVJY101	EC2 योग	योग के आधारभूत तत्त्व					
VVVS102	EC3 वास्तुशास्त्र	प्रारम्भिक वास्तुशास्त्र					
ARSN102	EC4 संस्कृत	भारतीय दर्शन					
	CS(I)	**सम्प्रेषण कौशल (Communication skills)**	03	3Hrs	-------- -------- ---	60	60
	GD (I)	**समूह चर्चा (प्रायोगिक) (GROUP DISCUSSION)**	02	2Hrs	-------- -------- ---	40	40
		कुल	30	30			600

Note-

CORE COURSE (CC)
ELECTIVE COURSE (EC)
Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषय समूह CC1,CC2,CC3,CC4, लेना अनिवार्य है।
2. विषय समूह EC में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।
3. कम्युनिकेशन स्किल्स तथा ग्रुप डिस्कशन सभी के लिए अनिवार्य है।

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.प्र.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए.वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) प्रथम सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
क्रम	पाठ्यक्रम कोड CC1	**विषय कोड VVVA 101**	सत्र- 2023-2024
1.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रथम प्रश्नपत्र - वैदिक साहित्य का इतिहास	
2.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्वादि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट्-मान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्ण व्याख्यान काल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	वेद शब्द का अर्थ, महत्त्व तथा वेद विभाग। वैदिक काल निर्णय तथा विभिन्न मत {(भारतीय परम्परागत विचार अपौरुषेयवाद), मैक्समूलर, ए. वेबर, एम्. विन्टरनित्ज तथा लोकमान्य बालगङ्गाधरतिलक}	12
02	चतुर्वेद – प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य	12
03	वेदकालीन समाज एवं संस्कृति	12
04	उपवेद तथा वेदाङ्गों का सामान्य परिचय	12
05	देवता परिचय – अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, अश्विनौ, वरुण, सोम तथा उषस्	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति, पण्डित बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक वाङ्मय का वृहत् इतिहास (भाग १), पण्डित भगवद्दत्त

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

3. वैदिक साहित्य , प्रकाशन शाखा, भारत सरकार

4. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

5. वैदिक साहित्य का इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. **Sanskrit.inira.fr/**
2. **learnsanskrit.cc/index**
3. **sanskrit.samskrutam.com**
4. **swayam.gov.in**

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

पूर्णाङ्क	100
सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE):	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE):	60
समय:	03:00 घण्टे

आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम ए वैदिक अध्ययन (**M.A. Vedic Studies**) **(Programme Code – MA-VST)** **प्रथम सत्रार्द्ध**			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC2	**विषय कोड VVVA 102**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	द्वितीयप्रश्नपत्र - ऋग्वेद	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Cor e Course)	
4.	पूर्वापेक्षा **(**Pre-requisite**)** (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि **(**Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदीय साहित्य से परिचित कराना है। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है। ➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विध्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या **(**प्रति सप्ताह पाँच कालांश**)**
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	ऋग्वेद सूक्त (विकल्प सहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या) 1. अग्नि (1.1), 2. अग्नि-मरुत् (1.19)	12
02	ऋग्वेद सूक्त (विकल्प सहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या) 1. वरुण (1.24), 2. इन्द्र (1.32)	12
03	ऋग्वेद सूक्त (विकल्प सहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या) 1. अश्विनौ (1.116), 2. विष्णु (1.154)	12
04	ऋग्वेद सूक्त (विकल्प सहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या) 1. सरमापणिसम्वाद (10.108), 2. सवितृ (1.38)	12
05	ऋग्वेदभाष्यभूमिका (प्रारम्भ से अनुबन्धचतुष्टय तक)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1-2) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी, १९७८
2. ऋग्वैदिक इण्डिया – अविनाशचन्द्र दास
3. वैदिक कोष – भगवद्दत्त एवं हंसराज
4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायण, व्याख्याकार – जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

संकल्प मिश्र
अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क(CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए.वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) प्रथम सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC3	**विषय कोड VVVA 103**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक तृतीयप्रश्नपत्र - शुक्लयजुर्वेदसंहिता		
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को यजुर्वेदीय साहित्य से परिचित कराना है। ➢ इस पाठ्यक्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को यजुर्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या, तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है। ➢ इस पाठ्यक्र के माध्यम से विद्यार्थी यजुर्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्र के माध्यम से विद्यार्थी यजुर्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या, तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35
भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश) संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे			
इकाई	विषय		अङ्क
01	शुक्लयजुर्वेदसंहता : प्रथमोऽध्यायः (विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)		12
02	शुक्लयजुर्वेदसंहता : द्वितीयोऽध्यायः (विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)		12
03	शुक्लयजुर्वेदसंहता : षोडशोऽध्यायः (विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)		12
04	शुक्लयजुर्वेदसंहता : षट्त्रिंशोऽध्यायः (विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)		12
05	श्रौत विधान – सामान्य परिचय		12
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन			
पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन			
अनुशंसित पुस्तकें: 1. शुक्लयजुर्वेद – वेददीपभाष्य, उव्वट भाष्य संवलित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी 2. शुक्लयजुर्वेदभाष्य – स्वामी करपात्री, धानका प्रकाशन, कलकत्ता			

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (**M.A. Vedic Studies**) **(Programme Code – MA-VST)** **प्रथम सत्रार्द्ध**			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC4	**विषय कोड VVVA 104**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक चतुर्थप्रश्नपत्रम् – वैदिक दर्शन		
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों से परिचित कराना है, जिससे छात्र प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दार्शनिक चिन्तन, व्याख्या पद्धति तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है, जिससे छात्र इनके महत्वादि विषयों की समुचित व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	वेदों में दार्शनिक चिन्तन (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
02	उपनिषद्दर्शन (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
03	उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
04	उपनिषदों का व्यावहारिक चिन्तन (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
05	उपनिषदों के भाष्यकार (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. भारतीय दर्शन, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती वाराणसी

संकल्प मिश्रा
अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तर परीक्षा कार्यक्रम

(एम.ए.वैदिक अध्ययन)

(Programme Code – MA-VST)

(सी.बी.सी.एस.)

परीक्षा-योजना

द्वितीय सत्रार्द्ध

विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	बाह्य परीक्षा	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल अंक
VVVA 201	CC 1	वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 202	CC 2	ऋग्वेद	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 203	CC 3	यजुर्वेद	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 204	CC 4	वैदिक कर्मकाण्ड	05	5Hrs	60	40	100
VVJY202	EC ज्योतिर्विज्ञान	मुहूर्तशास्त्र					
VVYG202	EC योग	पातंजल योग दर्शन	05	5Hrs	60	40	100
VVVS201	EC वास्तुशास्त्र	विश्वकर्मा वास्तु					
ARSN202	EC संस्कृत	भारतीय दर्शन					
	CS(I)	**सम्प्रेषण कौशल (Communication skills)**	03	3Hrs	----------	60	60
	GD(I)	**समूह चर्चा (प्रायोगिक) (GROUP DISCUSSION)**	02	2Hrs	----------	40	40
		कुल	30	30			600

Note-

CORE COYRSE (CC)
ELECTIVE COURSE (EC)
Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषय समूह CC1,CC2,CC3,CC4, लेना अनिवार्य है।
2. विषय समूह EC में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।
3. कम्युनिकेशन स्किल्स तथा ग्रुप डिस्कशन सभी के लिए अनिवार्य है।

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.प्र.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) द्वितीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC1	**विषय कोड VVVA 201**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रश्नपत्रम् – वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए प्रथम सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, भाष्यपरम्परा, वैदिक यागों के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	सामवेद का प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य, अथर्ववेद का प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य, वेदभाष्यों एवं वेदभाष्यकारों का विवरण।	12
02	वेदानुक्रमणी एवं बृहद्देवता ग्रन्थ का परिचय, वेदपाठप्रणाली	12
03	शतपथब्राह्मण पञ्चम काण्ड – वाजपेय एवं राजसूय यज्ञ	12
04	कात्यायनश्रौतसूत्र – प्रथम अध्याय (6-10 कण्डिका)	12
05	वैदिक व्याकरण – धातुस्वर, प्रातिपदिक स्वर, प्रत्यय स्वर तथा तिङन्त स्वर प्रकरण और स्वरसञ्चारप्रकार	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. शतपथब्राह्मण, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. कात्यायनश्रौतसूत्र, विद्याधर शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. कात्यायनश्रौतसूत्र, डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. सिद्धान्तकौमुदी (स्वरवैदिकी प्रकरण) – गोविन्दाचार्य व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. सिद्धान्तकौमुदी (स्वरवैदिकी प्रकरण) – उमाशङ्कर शर्मा (ऋषि), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समयः:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.प्रा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) द्वितीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC2	**विषय कोड VVVA 202**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	द्वितीयप्रश्नपत्रम् - ऋग्वेदः	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए प्रथम सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदीय मन्त्रों के व्याख्यान से परिचित करनाना है। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदभाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है। ➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदभाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताहं पाँच कालांश) संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे		
इकाई	विषय	अङ्क
01	ऋग्वेद सूक्त – दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या – 1. उषस् (3.61), 2. मण्डूक (7.103)	12
02	ऋग्वेद सूक्त – दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या – 1. सूर्य (1.115), 2. विश्वामित्रनदीसम्वाद (3.33)	12
03	ऋग्वेद सूक्त – दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या – 1. वाक् (10.125), 2. पर्जन्य (5.83)	12
04	ऋग्वेद सूक्त – दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या – 1.नासदीय (10.129), 2. हिरण्यगर्भ (10.121)	12
05	ऋग्वेदभाष्यभूमिका – अनुबन्ध चतुष्टय से ग्रन्थ समाप्ति तक	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन
अनुशंसित पुस्तकें: 1. न्यू वैदिक सिलेक्शन – तैलङ्ग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, नई दिल्ली 2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका – जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) द्वितीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC3	**विषय कोड VVVA 203**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	तृतीयप्रश्नपत्रम् - यजुर्वेदः	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए प्रथम सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश विद्यार्थियों को शुक्लयुजुर्वेदीय मन्त्रों के व्याख्यान से परिचित कराना है। जिससे छात्र इन मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तविधानों का प्रयोग तथा महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे छात्र स्मार्त विधानों का प्रयोग तथा महत्वादि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट्	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	शुक्लयजुर्वेद संहिता १८ अध्याय – २ मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या	12
02	शुक्लयजुर्वेद संहिता ३१ अध्याय - २ मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या	12
03	शुक्लयजुर्वेद संहिता ३४ अध्याय - २ मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या	12
04	शुक्लयजुर्वेद संहिता ४० अध्याय - २ मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या	12
05	स्मार्त विधान – सामान्य परिचय	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधना

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. शुक्लयजुर्वेद संहिता – वेददीपभाष्य महीधरकृत, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिकयज्ञपरिचय – वेणीराम शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1. **Sanskrit.inira.fr/**
2. **learnsanskrit.cc/index**
3. **sanskrit.samskrutam.com**
4. **swayam.gov.in**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) द्वितीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC4	**विषय कोड VVVA 204**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	चतुर्थप्रश्नपत्रम् – वैदिक कर्मकाण्ड	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए प्रथम सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदान्त दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदान्त दर्शन, साहित्य की वर्गीकरण व्याख्या तथा महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वेदान्त दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट्	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	ब्रह्मसूत्र का परिचय	12
02	ईशादि दश उपनिषदों का परिचय	12
03	भगवद्गीता का परिचय	12
04	वेदान्तसार अनुबन्ध चतुष्टय	12
05	वेदान्तसार - महावाक्यार्थ	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. ब्रह्मसूत्र
2. ईशादि दशोपनिषत्
3. भगवद्गीता
4. वेदान्तसार, सदानन्दयोगीन्द्र
5. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तर परीक्षा कार्यक्रम
(एम.ए.वैदिक अध्ययन)
(Programme Code – MA-VST)
(सी.बी.सी.एस.)
परीक्षा-योजना
तृतीय सत्रार्द्ध

विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	बाह्य परीक्षा	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल अंक
VVVA 301	CC 1	वेदाङ्ग एवं मीमांसा	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 302	CC 2	सामवेद एवं अथर्ववेद	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 303	CC 3	ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषत्	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 304	CC 4	वैदिक संस्कृति	05	5Hrs	60	40	100
VVJY302	EC ज्योतिर्विज्ञान	फलित ज्योतिष					
VVYG303	EC योग	योग के अनुप्रयोग एवं शिक्षण विधियाँ					
VVVS302	EC वास्तुशास्त्र	भोजवास्तु					
ARSN304	EC संस्कृत	संस्कृत साहित्य का इतिहास					
ARHS303	EC हिन्दू अध्ययन	भारतीय नीतिशास्त्र					
	GD(I)	समूह चर्चा (प्रायोगिक) (GROUP DISCUSSION)	02	2Hrs	-------- -------- ---	40	40
		कुल	30	30			600

Note-

CORE COYRSE (CC)
ELECTIVE COURSE (EC)
Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषय समूह CC1, CC2, CC3, CC4 लेना अनिवार्य है।
2. विषय समूह EC में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।
3. कम्युनिकेशन स्किल्स/परियोजना कार्य तथा ग्रुप डिस्कशन सभी के लिए अनिवार्य है।

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) तृतीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC1	**विषय कोड VVVA 301**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रथमप्रश्नपत्र – वेदाङ्ग एवं मीमांसा	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए द्वितीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	पाणिनीयशिक्षा - सम्पूर्णा	12
02	पारस्करगृह्यसूत्र – प्रथम काण्ड	12
03	अर्थसंग्रह – वेद विभाग, धर्म लक्षण, भावना विचार, विधिविमर्श तथा अर्थवाद	12
04	निरुक्त - प्रथमाध्याय	12
05	वेदांग ज्योतिष – आचार्य लगध (सामान्य परिचय)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. पाणिनीयशिक्षा – आचार्य कौण्डिन्न्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. पाणिनीयशिक्षा – मनमोहनघोष (अनुवादक), कलकत्ता विश्वविद्यालय
3. पाणिनीयशिक्षा – आचार्य बच्चूलाल अवस्ती (भाष्यकार), डॉ बालकृष्ण शर्मा (हिन्दी व्याख्याकार), कालिदास अकादमी, उज्जैन
4. पारस्करगृह्यसूत्र – जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
5. अर्थसंग्रह – डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.
उज्जैन (म.)

6. निरुक्त – डॉ जमुनापाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. हिन्दी निरुक्त – कपिलदेव शास्त्री तथा श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
8. मीमांसाशास्त्र का इतिहास – डॉ गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1. **Sanskrit.inira.fr/**
2. **learnsanskrit.cc/index**
3. **sanskrit.samskrutam.com**
4. **swayam.gov.in**

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

पूर्णाङ्क		100
सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE):		40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE):		60
समय:		03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) तृतीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय:			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC2	**विषय कोड VVVA 302**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	द्वितीयप्रश्नपत्र – सामवेद एवं अथर्ववेद	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए द्वितीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथ अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	सामवेद कौथुमीय शाखा – पूर्वार्चिक (पवमान काण्ड,पञ्चम अध्याय, खण्ड १), विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या	12
02	सामवेद सूक्त – अग्निसूक्त (१.१), आरण्यककाण्ड (षष्ठाध्याय, प्रथम खण्ड) विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या	12
03	अथर्ववेदसूक्त – मेधाजनन (१.१), राष्ट्राभिवर्धन (१.२९) विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या	12
04	अथर्ववेदसूक्त – परमधाम (वेनसूक्त) २.१, धन्वन्तरिसूक्त (३.३) विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या	12
05	अथर्ववेदसूक्त – अग्न्यादयसूक्त (३.२६), साम्मनस्यसूक्त (३.३०) विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधना

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. सामवेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
2. अथर्ववेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
3. अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्यसहित, डॉ ए वेबर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. नवीन वैदिक सञ्चयन (भाग १-२), डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

5. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १-२) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी 6. अथर्वकालीन संस्कृति, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3. sanskrit.samskrutam.com** **4. swayam.gov.in**

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

पूर्णाङ्क	100
सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE):	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE):	60
समय:	03:00 घण्टे

आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) तृतीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC3	**विषय कोड VVVA 303**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	तृतीयप्रश्नपत्र – ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत्	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए द्वितीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् ग्रन्थों के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वर्गीकरण तथा व्याख्या पद्धति आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	शतपथब्राह्मण का सामान्य परिचय, प्रमुख आरण्यकों का सामान्य परिचय, उपनिषद् का अर्थ प्रतिपाद्य विषय तथा महत्त्व	12
02	शतपथब्राह्मण १.६.३ (१-२१) त्वष्ट्रपुत्र विश्वरूप की कथा (विकल्पसहित व्याख्या)	12
03	तैत्तिरीय ब्राह्मण १.१.२.६-१३ अग्न्याधान (विकल्पसहित व्याख्या)	12
04	तैत्तिरीय आरण्यक २.१० पञ्च महायज्ञ (विकल्पसहित व्याख्या)	12
05	श्वेताश्वतरोपनिषत् ३.७.२१ पुरुष-स्वरूप (विकल्पसहित व्याख्या)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. शतपथब्राह्मण,सम्पादक वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पुणे
2. तैत्तिरीयब्राह्मण, आनन्दाश्रम, पुणे

वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

3. तैत्तिरीयारण्यक, आनन्दाश्रम, पुणे 4. श्वेताश्वतरोपनिषत्, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी 5. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १ तथा २) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी
अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3. sanskrit.samskrutam.com** **4. swayam.gov.in**

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

पूर्णाङ्क	100
सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE):	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE):	60
समय:	03:00 घण्टे

आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) तृतीय सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC4	विषय कोड VVVA 304	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	चतुर्थप्रश्नपत्र – वैदिक संस्कृति	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए द्वितीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति के मूलभूत स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृत के विविध विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक संस्कृत के विविधविषयों की समुचित व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांका	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	वैदिक संस्कृति का स्वरूप – विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न	12
02	वैदिक भूगोल तथा सामाजिक जीवन - विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न	12
03	वैदिक अर्थव्यवस्था - विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न	12
04	वैदिक राजनीतिकव्यवस्था - विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न	12
05	वैदिक ललितकलाएँ - विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समयः:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न प्रत्येक 200 शब्द	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तर परीक्षा कार्यक्रम
(एम.ए.वैदिक अध्ययन)
(Programme Code – MA-VST)
(सी.बी.सी.एस.)
परीक्षा-योजना
चतुर्थ सत्रार्द्ध

विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	बाह्य परीक्षा	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल अंक
VVVA 401	CC 1	वेदाङ्ग एवं मीमांसा	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 402	CC 2	सामवेद एवं अथर्ववेद	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 403	CC 3	ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषत्	05	5Hrs	60	40	100
VVVA 404	CC 4	स्मार्तानुप्रयोगः	05	5Hrs	60	40	100
VVJY402	EC ज्योतिर्विज्ञान	फलित ज्योतिष					
VVYG401	EC योग	योग उपनिषद्	05	5Hrs	60	40	100
VVVS403	EC वास्तुशास्त्र	भोजवास्तु					
ARSN404	EC संस्कृत	संस्कृत साहित्य का इतिहास					
	CS(I)	**सम्प्रेषण कौशल (Communication skills)/लघुशोधप्रबन्ध**	03	3Hrs	---------- ---------	60	60
	GD(I)	**समूह चर्चा (प्रायोगिक) (GROUP DISCUSSION)**	02	2Hrs	---------- ---------	40	40
		कुल	30	30	300	200	600

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) चतुर्थ सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC1	**विषय कोड VVVA 401**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रथमप्रश्नपत्र – वेदांग एवं मीमांसा	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए तृतीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण भाष्य परम्परा वैदिक यागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की समुचित व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	याज्ञवल्क्यशिक्षा (सम्पूर्ण)	12
02	पाणिनि अष्टाध्यायी (सामान्यपरिचय)	12
03	निरुक्त – यास्क (द्वितीयाध्याय)	12
04	छन्दःसूत्र -पिङ्गल (सामान्य परिचय)	12
05	मीमांसापरिभाषा (सम्पूर्ण)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. याज्ञवल्क्यशिक्षा – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. अष्टाध्यायी – चौखम्वा प्रकाशन, वाराणसी
3. व्याकरणशास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
4. निरुक्त – डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

5. हिन्दी निरुक्त – कपिलदेवशास्त्री तथा श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ 6. छन्दःसूत्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 7. मीमांसाशास्त्र का इतिहास – डॉ गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी 8. मीमांसापरिभाषा – चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी		
अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3. sanskrit.samskrutam.com** **4. swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) चतुर्थ सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC2	विषय कोड VVVA 402	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	द्वितीयप्रश्नपत्र – सामवेद एवं अथर्ववेद	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए तृतीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद साहित्य से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	सामवेद (कौथुम) पूर्वार्चिक, पवमान काण्ड, (५म अध्याय, २य खण्ड) (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)	12
02	सामवेद सूक्त - इन्द्र ३.१, सोम ४.१ (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)	12
03	अथर्ववेद सूक्त – स्वराज्ये राज्ञः पुनःस्थापनम् ३.३, ब्रह्मौदनम् ४.३४ (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)	12
04	अथर्ववेद सूक्त – ब्रह्मगवीसूक्तम् ५.१८, कालसूक्तम् १९.५३ (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)	12
05	अथर्ववेद सूक्त – ब्रह्मचारिसूक्त ११.५२, ब्रह्मयज्ञसूक्त १९.४२ (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. सामवेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
2. अथर्ववेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
3. अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्यसहित, डॉ ए वेबर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

4. नवीन वैदिक सञ्चयन (भाग १-२), डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी 5. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १-२) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी 6. अथर्वकालीन संस्कृति, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3. sanskrit.samskrutam.com** **4. swayam.gov.in**

भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

पूर्णाङ्क		100
सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE):		40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE):		60
समय:		03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) चतुर्थ सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC3	**विषय कोड VVVA 403**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	तृतीयप्रश्नपत्र – ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत्	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए तृतीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् ग्रन्थों के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वर्गीकरण तथा व्याख्या पद्धति आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	शतपथब्राह्मण (वाक्-मनस्-संवाद १.४.५.८-१३)	12
02	ब्राह्मण ग्रन्थों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	12
03	ऐतरेय आरण्यक २.१.७ पुरुष-विभूति	12
04	बृहदारण्यकोपनिषत् – २.४ आत्मतत्त्व विवेचन	12
05	उपनिषदों के प्रमुख सिद्धान्त	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. शतपथब्राह्मण,सम्पादक वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पुणे
2. ऐतरेयारण्यक, आनन्दाश्रम, पुणे
3. बृहदारण्यकोपनिषत् – चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १ तथा २) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी
5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष -ऑनलाईन-पाठ्यक्रम- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समयः:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. वैदिक अध्ययन (M.A. Vedic Studies) (Programme Code – MA-VST) चतुर्थ सत्रार्द्ध			
भाग-अ परिचय			
1.	पाठ्यक्रम कोड CC4	**विषय कोड VVVA 404**	सत्र- 2023-2024
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	चतुर्थप्रश्नपत्र – स्मार्तानुप्रयोगः	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्य विषय (Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एम ए तृतीय सत्रार्द्ध में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (Course Learning Outcomes (CLO)	➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तानुप्रयोग के स्वरूप तथा प्रायोगिक सिद्धान्तों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी स्मार्तानुप्रयोग के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। ➢ इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तानुष्ठान संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी स्मार्तानुष्ठान संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिटमान	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क- 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यान सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रति सप्ताह पाँच कालांश)
संपूर्णव्याख्यानकाल 75 घण्टे

इकाई	विषय	अङ्क
01	पारस्करगृह्यसूत्र – प्रथमकाण्ड (१-३ कण्डिका) (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
02	धर्मसिन्धु – प्रथमपरिच्छेद (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
03	भगवन्तभास्कर – आचारमयूख (परिभाषा) (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
04	भगवन्तभास्कर – संस्कारमयूख (निबन्धोपयोगी विचार तथा संस्कारोद्देश) (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12
05	आह्निकसूत्रावलि – ब्रह्मकर्मविचार (विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक संदर्भग्रंथ अन्य संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें:

1. पारस्करगृह्यसूत्र – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
2. धर्मसिन्धु – खेमराज कृष्णदास वेङ्कटेश्वर प्रेस, बम्बई
3. भगवन्तभास्कर – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
4. आह्निकसूत्रावलि – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः- 1. **Sanskrit.inira.fr/** 2. **learnsanskrit.cc/index** 3. **sanskrit.samskrutam.com** 4. **swayam.gov.in**		
भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		
पूर्णाङ्क सतत-व्यापकमूल्यांकन अङ्क (CCE): विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE): समय:		100 40 60 03:00 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरण	पूर्णाङ्क40
आकलन विश्वविद्यालयीय परीक्षा	अनुभाग अ –पाँच बहुविकल्पीय	5×1=5
	अनुभाग ब –पाँच लघूत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×3=15
	अनुभाग स –पाँच दीर्घोत्तरीयप्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	5×8=40 पूर्णाङ्क-60
	योग	**100**

अध्यक्ष
वेद विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)